9 फरवरी 2026
सोमवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

छह माह में 5 किमी भी नहीं बनी सड़क, डुमरांव का बाजार जाम में कैद, प्रशासन की सुस्ती से टूट रहा शहर का कारोबार 2

एक नजर

चिनाब नदी पर 5 हजार करोड़ के डैम प्रोजेक्ट पर काम शुरू

नई दिल्ली । भारत ने जम्मू और कश्मीर में चिनाब नदी पर 5,129 करोड़ रुपये की लागत वाली मेगा सावलकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। पाकिस्तान से रिश्तों में तनाव के बीच सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद केंद्र सरकार से हरी झंडी मिलने वाला यह पहला अपनी तरह का नया प्रोजेक्ट है। सवालकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट चिनाब नदी पर बगलिहार प्रोजेक्ट के ऊपर की तरफ और सलाल प्रोजेक्ट के नीचे की तरफ स्थित है। इसके पहले स्टेज में 1,406 मेगावॉट का प्रोजेक्ट बनेगा और दूसरे स्टेज में 450 मेगावॉट का प्रोजेक्ट बनेगा। यह यह एक 'रन ऑफ द रिवर' प्रोजेक्ट होगा।नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के उन डॉक्यूमेंट्स को देखा है, जिसमें 5 फरवरी को कंपनियों को जम्मू और कश्मीर के उधमपुर और रामबन जिलों में इस मेगा प्रोजेक्ट को बनाने के लिए इनवाइट किया गया है।

तेलंगाना में ज्योतिबा फुले की प्रतिमा से तोड़फोड़

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने तेलंगाना में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाए जाने की निंदा की। उन्होंने इसे सामाजिक समानता की मूल भावना पर हमला बताया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता ने इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है और दखल देने की मांग की। भुजबल ने दोषियों के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई की मांग की। यह घटना छह फरवरी को तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में हुई। अमित शाह को लिखे पत्र में भुजबल ने कहा कि महात्मा फुले जैसे महापुरुषों को निशाना बनाना प्रगतिशील समाज के विचार पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक समाज में ऐसी घटनाएं किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। उन्होंने कहा कि यह घटना समाज सुधार वाली विचारधारा पर जानबूझकर किया गया हमला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण में महात्मा फुले का योगदान अमूल्य है।

बंगाल एसआईआर : मतदाताओं की सुनवाई की समयसीमा खत्म

- तीन निर्वाचन जिलों की लगभग 15 विधानसभा सीटों पर सुनवाई लंबित
- कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय को अब तक नई दिल्ली में चुनाव आयोग मुख्यालय से इस संबंध में कोई जवाब नहीं मिला

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में एसआईआर से जुड़ी दावों और आपत्तियों पर सुनवाई की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है, लेकिन कई इलाकों में प्रक्रिया पूरी न होने के कारण स्थिति अब भी साफ नहीं हो पाई है। राज्य के तीन निर्वाचन जिलों की लगभग 15 विधानसभा सीटों पर सुनवाई लंबित है, जिससे समय-सीमा बढ़ाने को लेकर असमंजस बना हुआ है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), पश्चिम बंगाल, मनोज कुमार अग्रवाल ने सुनवाई की प्रक्रिया के लिए सात दिन का अतिरिक्त समय मांगा है। हालांकि, कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय को अब तक नई दिल्ली में चुनाव आयोग मुख्यालय से इस संबंध में कोई जवाब नहीं मिला है।

बनी भ्रम की स्थिति

सीईओ कार्यालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, भ्रम की स्थिति दो वजहों से बनी है। पहली, अगर समय-सीमा बढ़ाई जाती है तो नई अंतिम तारीख क्या होगी दूसरी, यह विस्तार केवल उन्हीं 15 विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित रहेगा, जहां सुनवाई पूरी नहीं हो पाई है या फिर पूरे राज्य के लिए समय-सीमा बढ़ाई जाएगी।सूत्रों ने बताया कि अगर चुनाव आयोग पूरे राज्य के लिए समय-सीमा बढ़ाने का फैसला करता है, तो 14 फरवरी को जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन में भी उसी अनुपात में देरी होगी। जिन 15 विधानसभा क्षेत्रों में सुनवाई अब तक पूरी नहीं हो पाई है, वे मुख्य रूप से तीन निर्वाचन जिलों में आते हैं। इनमें अल्पसंख्यक बहुल मालदा, तटीय और सीमावर्ती दक्षिण 24 परगना और कोलकाता उत्तर शामिल हैं। इस बीच, एक बड़ी जानकारी सामने आई है कि 4 लाख से अधिक अतिरिक्त मतदाताओं की पहचान ऐसे लोगों के रूप में की गई है, जिनका नाम अंतिम मतदाता सूची से हटाया जा सकता है।

बांग्लादेश में अब भी 1.25 करोड़ हिंदू हैं, होना होगा एकजुट: मोहन भागवत

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बांग्लादेश के हिंदुओं से एकजुट होने की बात कही है। मोहन भागवत ने कहा, 'हिंदू एकजुट होकर अपने फायदे के लिए राजनीतिक सिस्टम का इस्तेमाल कर सकते हैं। मोहन भागवत ने यह अपील शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद भारत विरोधी भावनाओं के बढ़ने से बने खराब माहौल के खिलाफ एकजुट होने के लिए की है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'बांग्लादेश में अभी भी 1.25 करोड़ हिंदू हैं। अगर वे एकजुट होते हैं, तो वे वहां के राजनीतिक सिस्टम का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए, अपनी सुरक्षा के लिए कर सकते हैं, लेकिन उन्हें एकजुट होना होगा। मोहन भागवत ने आगे कहा, 'अच्छी बात यह है कि इस बार उन्होंने तय किया है कि वे भागेंगे नहीं, वे वहीं रहेंगे और लड़ेंगे। अब, अगर वे लड़ने जा रहे हैं, तो एकता जरूरी होगी। जितनी जल्दी वे एकजुट होंगे, उतना ही अच्छा होगा। मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में 'संघ यात्रा के 100 साल-नए क्षितिज' पर दो दिवसीय लेक्चर सीरीज में बोलते हुए आगे कहा,

रूसी तेल खरीद को लेकर मंत्रालय का स्पष्ट निर्णय नहीं

अमेरिका से तेल खरीदना भारत के हित में : पीयूष गोयल

- अमेरिका से कच्चे तेल या एलपीजी की खरीद भारत के अपने रणनीतिक हितों में

नई दिल्ली। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर बोलते हुए रूसी तेल खरीद को लेकर सीधे जवाब देने से परहेज किया। उनसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस शर्त को लेकर सवाल पूछा गया था कि भारत अगर रूस से तेल खरीदेगा तो उस पर 25 फीसदी टैरिफ का जुमार्ना फिर से लगा दिया जाएगा। इस दौरान पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिका से तेल खरीदना भारत के हित में है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि अमेरिका से कच्चे तेल या एलएनजी, एलपीजी की खरीद भारत के अपने रणनीतिक हितों में है क्योंकि हम अपने तेल स्त्रोतों में विविधता ला रहे हैं। अमेरिका की ओर से रूसी तेल को मुद्दा बनाए जाने पर गोयल अब तक यही कहते आ रहे हैं कि यह मामला विदेश मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ट्रेड डील में यह तय नहीं होता है कि कौन किससे और क्या खरीदेगा. ट्रेड डील व्यापार के रास्ते को आसान बनाता है और प्राथमिक पहुंच को सुनिश्चित करता है

ट्रेड डील को लेकर आया नियम

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से पूछा गया कि अगर रूसी तेल या डिफेंस के मामलों पर द्विपक्षीय सहमति नहीं बनती, तो क्या इसका असर ट्रेड डील पर पड़ेगा। इस पर गोयल ने जवाब दिया। नहीं, बिल्कुल नहीं। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील में यह तय नहीं होता है कि कौन किससे और क्या खरीदेगा. ट्रेड डील व्यापार के रास्ते को आसान बनाता है और प्राथमिकता के आधार पर पहुंच को सुनिश्चित करता है। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का उद्देश्य ही प्राथमिक पहुंच देना होता है। जब हमें 18 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ मिलता है, तो हमें अन्य विकासशील देशों पर बढ़त मिलती है। यह देश आमतौर पर हमारे प्रतिस्पर्धी होते हैं।

ट्रंप ने भारत के रूसी तेल के खरीद

हालांकि, रूसी तेल को लेकर सवाल अभी भी बना हुआ है. ट्रंप ने अपने कार्यकारी आदेश में अमेरिकी वाणिज्य सचिव को यह भारत पर निगरानी करने का निर्देश दिया है, ताकि भारत कहीं रूसी तेल का आयात फिर से शुरू न कर दे। अगर ऐसा होता है तो अमेरिका, भारत पर फिर से जुमार्ने के रूप में टैरिफ लगाएगा, जिसे हाल ही में हटाया गया है। हालांकि रूस से तेल खरीद को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने क्लीयर कर दिया है कि भारत अपने 140 करोड़ लोगों को ध्यान में रखते हुए फैसला लेगा। भारतीय कंपनियों को कहां से तेल और एनर्जी से जुड़े उत्पाद खरीदने हैं, ये उन्हें तय करना है। इससे एक बात तो क्लीयर होती है कि अमेरिका से हुई ट्रेड डील में रूसी तेल का जिक्र नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए कई स्रोत जरूरी

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत जैसे तेजी से बढ़ते देश के लिए ऊर्जा आपूर्ति का विविधीकरण बेहद अहम है। अमेरिका से कच्चा तेल और गैस खरीदने का मकसद किसी एक देश पर निर्भरता बढ़ाना नहीं, बल्कि जोखिम कम करना है। उन्होंने साफ किया कि अंतरिम व्यापार समझौता यह तय नहीं करता कि कौन-सी कंपनी किस देश से क्या खरीदेगी। यह समझौता सिर्फ व्यापार के लिए एक सहज और अनुकूल रास्ता तैयार करता है, ताकि खरीदारों के पास ज्यादा विकल्प हों और सप्लाई में किसी तरह की रुकावट न आए।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मित्र देशों का साथ जरूरी : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत और मलेशिया अपने रिश्तों को नई ऊंचाई तक ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में दोनों देशों के बीच सहयोग और भी जरूरी हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें मलेशिया में भारतीय प्रवासी समुदाय से मिलने का अवसर मिला, जो उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीयों में मलेशिया के नेतृत्व के लिए सम्मान और अपनापन साफ दिखाई देता है जिस पर उन्हें गर्व

महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मित्र देशों का समर्थन बेहद अहम है। भारत और मलेशिया दोनों मानते हैं कि दोनों देशों की समृद्धि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया, दोनों समुद्री पड़ोसी देश हैं और इस वैश्विक अस्थिर माहौल में उन्हें अपने रिश्तों की पूरी क्षमता का उपयोग करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत और मलेशिया के बीच कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, स्वच्छ ऊर्जा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने बताया कि कौशल विकास और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में भी दोनों देश अहम साझेदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-मलेशिया संबंधों की असली ताकत लोगों के बीच के रिश्तों में है। करीब 30 लाख मलेशियाई नागरिक भारतीय मूल के हैं, जो दोनों देशों के बीच एक जीवंत सेतु की तरह हैं।

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राथमिकता : वित्त मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट 2026-27 को लेकर कई अहम बातें कही। उन्होंने कहा कि बार-बार बदलती नीतियों से पैदा होने वाली अनिश्चितता को खत्म करना ही इस बार के बजट की असली सोच है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पॉलिसी पिंग-पोंग' से बचने की सोच ही केंद्रीय बजट 2026-27 की सबसे बड़ी नींव है। उन्होंने बताया कि बजट में तात्कालिक लाभ के बजाय नीति स्थिरता, दीर्घकालिक योजना और ह्यविकसित भारतह्न के लक्ष्य को प्राथमिकता दी गई है। सीतारमण ने कहा कि यह बजट नए पांच साल के वित्तीय चक्र का पहला बजट है और 21वीं सदी की दूसरी तिमाही का पहला बजट है। इस बजट में किसी तरह के लोकलुभावन एलान की बजाय पूंजीगत खर्च (कैपिटल एक्सपेंडिचर), इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही सरकार ने राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने पर भी पूरा ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि लोगों को स्थिरता चाहिए थी, इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार चुना। यह स्थिरता नीतियों में भी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की तीसरी जीत इस बात का संकेत है कि जनता नीति और राजनीतिक स्थिरता चाहती है, जिसे सरकार विकास की बुनियाद मानती है। वित्त मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री बार-बार इस बात पर जोर देते हैं कि एक बार कोई नीति तय हो जाए, तो उसे लगातार और मजबूती से लागू किया जाना चाहिए, न कि बार-बार दिशा बदली जाए। यही सोच बजट की नीतियों में भी झलकती है।

उमा विद्यालयम की अनोखी पहल : प्रतिभा खोज परीक्षा के माध्यम से मेधावी छात्रों को दी जाएगी निःशुल्क शिक्षा

- **451 बच्चों को मिलेगा सुनहरा अवसर, सफल छात्रों को 10 वीं तक दी जाएगी छात्रवृति का लाभ**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के शैक्षणिक परिदृश्य में एक नई उम्मीद की किरण दिखाई दी है। श्री रामकृष्ण परमहंस एवं श्रीराम प्रताप फाउंडेशन के संरक्षण में संचालित उमा विद्यालयम ने शिक्षा को सुलभ और समावेशी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। विद्यालय द्वारा सत्र 2026-27 के लिए ह्लद बिगेस्ट टैलेंट सर्च टेस्टह्व की शुरूआत की गई है, जिसके माध्यम से कुल 451 मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति और शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

बेटियों को प्राथमिकता, समान अवसर की पहल

इस महत्वाकांक्षी योजना का केंद्र बिंदु समाज के हर वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। विशेष रूप से बेटियों को आगे बढ़ाने के

उद्देश्य से 230 छात्राओं को छात्रवृत्ति के लिए चयनित किया जाएगा, जबकि 221 छात्र भी इस योजना में शामिल होंगे। यह पहल ह्यबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्न अभियान की भावना को जमीन पर उतारने का प्रयास मानी जा रही है।

केवल छात्रवृत्ति नहीं, संस्कारों की भी शिक्षा

विद्यालय के सचिव राज सिंह ने बताया कि यह योजना मात्र आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों और अनुशासन से युक्त शिक्षा प्रदान करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य ऐसे छात्रों को तैयार करना है जो भविष्य में समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी नागरिक बन सकें।

स्थानीय स्तर पर मिलेगा महानगरों जैसा शिक्षण वातावरण

विद्यालय के निदेशक ऋषभ राज ने कहा कि उमा विद्यालयम में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाएं देश के बड़े शहरों के नामी विद्यालयों के समान हैं। आधुनिक शिक्षण पद्धति, स्मार्ट क्लास, अनुशासित वातावरण और अनुभवी शिक्षक विद्यालय की पहचान हैं। इसके बावजूद शुल्क को संवेदनशील रखा गया है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे भी आगे बढ़ सकें।

दिल्ली से हैदराबाद तक के शिक्षक करेंगे मार्गदर्शन

प्राचार्य मधुमिता मालाकार ने जानकारी दी कि विद्यालय में शिक्षकों का चयन दिल्ली, कोलकाता और हैदराबाद जैसे शैक्षणिक केंद्रों से किया गया है। योजना के अंतर्गत कक्षा 1 से 5 तक के छात्र आवेदन कर सकते हैं। चयनित शीर्ष विद्यार्थियों को कक्षा 10 तक निःशुल्क शिक्षा एवं विभिन्न प्रकार की फीस में छूट दी जाएगी।

22 फरवरी को होगी परीक्षा, निःशुल्क मिलेगा आवेदन फॉर्म

प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन 22 फरवरी, 2026 को किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी विद्यालय परिसर से निःशुल्क आवेदन फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह पहल न सिर्फ उमा विद्यालयम, बल्कि पूरे डुमरांव क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम के रूप में देखी जा रही है।

मुख्य सड़क बंद, कारोबार ठप; 1.38 करोड़ की योजना कागजों में दौड़ रही, जमीन पर रेंग रहा काम

छह माह में 5 किमी भी नहीं बनी सड़क, डुमरांव का बाजार जाम में कैद, प्रशासन की सुस्ती से टूट रहा शहर का कारोबार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली स्टेशन रोड आज खुद बदहाली की मिसाल बन चुकी है। स्टेट हाईवे की श्रेणी में शामिल इस मुख्य सड़क का जीर्णोद्धार कार्य पिछले छह महीनों से अधर में लटका है, जिससे आम जनजीवन से लेकर शहर की पूरी आर्थिक व्यवस्था चरमरा गई है। हालात ऐसे हैं कि लगभग 5 किलोमीटर लंबी सड़क तय समय के कई सप्ताह बाद भी पूरी नहीं हो सकी, जबकि बाजार और शहर की धड़कन लगातार धीमी पड़ती जा रही है। मुख्य बाजार क्षेत्र में सड़क को जगह-जगह खोद दिए जाने और लंबे समय से लागू ट्रैफिक डायवर्जन ने डुमरांव को मानो चारों ओर से जकड़ लिया है। बीते पंद्रह दिनों से बाजार में सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। नतीजा यह कि दुकानों पर सन्नाटा पसरा है, ग्राहक नदारद हैं और व्यापारी आर्थिक तंगी से जूझने को मजबूर हैं।

कागजों में तेज, जमीन पर सुस्त निर्माण

करीब 1.38 करोड़ रुपये की लागत से पुराना भोजपुर से मां डुमरेजनी प्रवेश द्वार तक सड़क जीर्णोद्धार की योजना बनाई गई थी। विभागीय अधिकारियों ने दावा किया था कि 14 जनवरी तक कार्य पूरा कर सड़क खोल दी जाएगी, लेकिन तय समय बीत जाने के एक महीने बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। राज अस्पताल, महरौरा मोड़, राज हाई स्कूल के खेल मैदान और नगर परिषद के पुराने कार्यालय के पास निर्माण कार्य की मंथर गति साफ देखी जा सकती है। कहीं आधी-अधूरी ढलाई, तो कहीं लंबे समय से यूं ही खोदी गई सड़कें लोगों की परेशानी बढ़ा रही हैं।

लगन के सीजन में भी बाजार सूना

शादी-ब्याह के इस लगन भरे मौसम में भी डुमरांव बाजार की रौनक लौट नहीं सकी। भारी वाहनों का प्रवेश बंद होने से बाहर से आने वाले व्यापारी और खरीददार बाजार तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। टेढ़की पुल के रास्ते महरौरा मोड़ तक किया गया डायवर्जन समय और खर्च दोनों बढ़ा रहा है, जिससे ग्राहक सीधे डुमरांव से मुंह मोड़ने लगे हैं।

मेंटेनेंस की शर्त, पर निर्माण ही अधूरा

निविदा शर्तों के अनुसार निर्माण एजेंसी को सड़क बनने के बाद एक वर्ष तक मेंटेनेंस की जिम्मेदारी भी निभानी है। लेकिन छह महीने बीत जाने के बावजूद जब प्रथम चरण का काम ही पूरा नहीं हो सका, तो रखरखाव की उम्मीद बेमानी लगती है। विभागीय सूत्रों का आरोप है कि एजेंसी जानबूझकर काम की रफ्तार धीमी रख रही है, ताकि समय सीमा करीब आते ही एकमुश्त काम दिखाकर मेंटेनेंस की जवाबदेही से बचा जा सके।

लागत घटाई गई, लेकिन नतीजा शून्य

जानकारी के मुताबिक इस सड़क का टेंडर अगस्त में हुआ था। पहले पीडब्ल्यूडी ने 1.594 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा था, जिसे समीक्षा के बाद घटाकर 1.348 करोड़ रुपये किया गया। योजना में सीमेंट कंक्रीट सड़क का प्रतिस्थापन, गड्ढों की भराई, बिटुमिनस कंक्रीट से पैच मरम्मत, जलजमाव से निपटने के लिए ह्यूम पाइप और बॉक्स कल्वर्ट निर्माण शामिल है। सब कुछ तय होने के बावजूद धरातल पर काम अधूरा है।

व्यवसायियों का फूटा गुस्सा

कपड़ा व्यवसायी विवेक कांत, किराना व्यापारी बब्लू कुमार, चौंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद गुप्ता, दवा व्यवसायी रमेश केशरी और मोबाइल विक्रेता दीपक कुमार समेत कई व्यवसायियों का कहना है कि सड़क निर्माण के नाम पर शहर की अर्थव्यवस्था को बंधक बना लिया गया है। उनका आरोप है कि प्रशासन और निर्माण एजेंसी की लापरवाही से उनका महीनों का कारोबार चौपट हो गया।

अब आम लोग भी उबलने लगे

सिर्फ व्यापारी ही नहीं, आम नागरिकों में भी गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि पिछले छह महीनों से शहर में रहना किसी कैद से कम नहीं लग रहा। एंबुलेंस, स्कूली वाहन और रोजमर्रा के आवागमन में भारी दिक्कतें हो रही हैं, लेकिन स्थानीय प्रशासन मानो आंख मूंदे बैठा है।

राजगोला रोड का अतिक्रमण बना दूसरी बड़ी मुसीबत

एक ओर मुख्य सड़क बंद है, दूसरी ओर राजगोला रोड पर अतिक्रमण ने परेशानी और बढ़ा दी है। ठेला-खोमचा वालों के कब्जे से यह व्यावसायिक मार्ग दिनभर जाम रहता है। पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है, लेकिन बार-बार मांग के बावजूद नगर परिषद प्रशासन अतिक्रमण हटाने में नाकाम साबित हो रहा है। डुमरांव की जनता अब यह सवाल पूछ रही है कि आखिर शहर की इस दुर्दशा की जिम्मेदारी कौन लेगा। क्या करोड़ों की योजनाएं सिर्फ फाइलों में दौड़ेंगी, या कभी जमीन पर भी समय से पूरी होंगी।

एक नजर

चापाकलों की मरम्मत में नप बरत रहा लापरवाही, कुल 286 चापाकल नप के विभिन्न वार्डों में लगाए गए हैं, जिसमें अधिक खराब

डुमरांव। जमीन के भीतर पानी के लेयर नीचे भागता जा रहा है, जिससे आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इधर सरकार ने नया चापाकल लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि जो खराब पड़े चापाकल हैं, उसे बनाया जा सकता है। नगर परिषद खराब पड़े चापाकलों को बनाने की दिशा में कार्रवाई शुरू कर दिया है। मालूम हो कि नगर परिषद क्षेत्र में कुल 286 चापाकल लगाए गए थे, जिसमें अधिकांश खराब हो गए है। इतना ही नहीं कितने का तो अस्तित्व ही मीट गया है। इस संबंध में नप के कार्यवाहक चेयरमैन विकास ठाकुर से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सरकार के आदेश के आलोक में चापाकल तो नहीं लगाए जा रहे हैं, लेकिन जरूरत के अनुसार बोरिंग लगाकर घर-घर पानी पहुंचाने पाइप का जाल बिछाया जा रहा है। विस्तारित क्षेत्र और डुमरांव शहर मिलाकर पांच जलमीनार स्थापित किये गए हैं, जिसमें दो कार्य ही नहीं करते हैं, लिहाजा सीधे बोरिंग से पानी घर-घर पहुंचाया जाता है। इधर नगरवासियों का कहना है कि जब जलमीनार से पानी की आपूर्ति होती थी, तो दो मंजिला घरों तक भी पानी पहुंच जाता है। वर्तमान में स्थिति यह है कि मुख्य सड़क छोड़ दिया जाए तो गली में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। डुमरांव शहर के विभिन्न मोहल्लों में लगभग तीन दर्जन बोरिंग लगाए गए हैं, जिससे पानी का आपूर्ति घरों में होती है। इस संबंध में नप ईओ से बात की गई तो उन्होंने बताया की छठिया पोखरा व ट्रेनिंग स्कूल के जलमीनार से पानी की आपूर्ति की जाती है। पहले नगर की पानी आपूर्ति की व्यवस्था पीएचईडी के जिम्मे था, अब नगर परिषद को हैंडओवर हो गया है। जलापूर्ति जब से नप के पास आया है, लीकेज को पाइप को सही किया जा रहा है। कोई उपभोक्त शिकायत करता है तो उस पर त्वरित निष्पादन के लिये मिस्त्री को भेजा जाता है। जरूरत के अनुसार मोहल्लों में बोरिंग लगाने का काम भी किया जाता है, जिससे परिवारों को भटकना नहीं पड़े।

शादी-ब्याह के सीजन ने बढ़ाई बाजार की रफ्तार, कपड़ा कारोबार में उत्साह तो सराफा बाजार पर महंगाई की मार

डुमरांव। शादी-विवाह का शुभ लग्न शुरू होते ही डुमरांव के बाजारों में रौनक लौट आई है। शहनाइयों की गूंज के साथ ही वर-वधू पक्ष की तैयारियां तेज हो गई हैं। कपड़ा बाजार, मौर-सिंहोरा, शेरवानी, लहंगा, पगड़ी, वरमाला और सजावटी सामानों की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। टेंट हाउस, बैंड-बाजा, होटल और लॉज की बुकिंग भी तेजी से हो रही है, जिससे कारोबारियों में अच्छे व्यवसाय की उम्मीद जगी है। लग्न को देखते हुए रेडीमेड कपड़ों, जरी रहित साड़ियों, डिजाइनर लहंगा-शेरवानी और गाउन की नई-नई वैरायटी दुकानों में उतारी गई है। मौर और सिंहोरा बनाने वाले कारीगर दिन-रात काम में जुटे हैं। कई परिवार बेहतर इंतजाम के लिए पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के बलिया, गाजीपुर और वाराणसी तक बुकिंग कराने जा रहे हैं। फरवरी से शुरू हुए वैवाहिक सीजन को लेकर खुदरा और थोक व्यापारियों के चेहरे खिले हुए हैं। कारोबारियों का अनुमान है कि इस बार लग्न में करोड़ों रुपये का कारोबार होगा। हालांकि, इस उत्साह के बीच सराफा बाजार की तस्वीर कुछ अलग नजर आ रही है। सोना-चांदी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का सीधा असर आभूषणों की बिक्री पर पड़ा है। महंगाई के कारण ग्राहक कम बजट में हल्के वजन के गहनों की मांग कर रहे हैं। स्वर्णकारों को भी ग्राहकों की जरूरत के अनुसार छोटे और हल्के डिजाइन तैयार करने पड़ रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि खरमास समाप्त हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अपेक्षित बिक्री अब तक नहीं हो सकी है। पंडितों के अनुसार विवाह जैसे मांगलिक कार्यों में शुभ मुहूर्त का विशेष महत्व होता है, इसी कारण लोग लग्न के अनुसार ही खरीदारी और आयोजन कर रहे हैं। कुल मिलाकर, शादी के सीजन ने बाजार में चहल-पहल तो बढ़ा दी है, लेकिन बढ़ती महंगाई ने कुछ क्षेत्रों में कारोबारियों की चिंता भी बढ़ा दी है।

ठंड की विदाई के साथ डुमरांव में मच्छरों का बढ़ता प्रकोप, नगर परिषद की लापरवाही से बढ़ी परेशानी

केटी न्यूज/डुमरांव

मौसम में बदलाव के साथ ही डुमरांव शहर में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है। ठंड में कमी आते ही घरों, गलियों और बाजारों में मच्छरों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है, जिससे आम लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। शाम ढलते ही मच्छरों का आतंक इस कदर बढ़ जाता है कि लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं रात के समय नींद भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नालियों में जमा गंदा पानी, खुले पड़े जलजमाव वाले स्थान और नियमित सफाई के अभाव के कारण मच्छरों का प्रजनन तेजी से हो रहा है। स्थिति यह है कि मच्छरदानी, अगरबत्ती और रिपेलेंट के सहारे लोग किसी तरह समय काटने को मजबूर हैं। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक बन गई है। शहरवासियों ने नगर परिषद पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद की ओर से लंबे समय से फॉगिंग नहीं कराई जा रही है, जिससे मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। पूर्व में नियमित फॉगिंग और दवा छिड़काव से कुछ हद तक राहत मिलती थी, लेकिन वर्तमान में इस ओर कोई ठोस पहल नहीं दिख रही है। मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा भी मंडराने लगा है। नागरिकों ने नगर परिषद से शीघ्र फॉगिंग, नालियों की सफाई और जलजमाव हटाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। अब देखना यह है कि नगर परिषद इस समस्या को लेकर कब तक जागती है और आम जनता को मच्छरों के इस बढ़ते आतंक से राहत दिलाने के लिए क्या ठोस कदम उठाती है।

जवही दियर गांव से अवैध देसी रायफल, बंदूक व आधा दर्जन कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

- **पंचायत के मुखिया का देवर बताया जा रहा है आरोपित, पूछताछ के आधार पर जांच में जुटी पुलिस**

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के जवही दियर गांव में शनिवार की रात उस वक्त हलचल मच गई, जब पुलिस की टीम ने अचानक एक घर पर दबिश देकर अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया। यह कार्रवाई महज एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि गांव के भीतर पनप रहे अवैध असलहा नेटवर्क पर सीधी चोट मानी जा रही है। पुलिस ने मौके से एक देशी राइफल, एक बंदूक और छह जिंदा कारतूस बरामद करते हुए एक युवक को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार युवक की पहचान जवही दियर गांव निवासी कामेश्वर नाथ यादव के पुत्र राजेश कुमार यादव के रूप में हुई है।

स्थानीय स्तर पर यह तथ्य भी चर्चा में है कि युवक का संबंध पंचायत के प्रभावशाली परिवार से बताया जा रहा है, जिससे इस बरामदगी ने सामाजिक और राजनीतिक गलियारों में भी हलचल पैदा कर दी है। हालांकि पुलिस ने साफ किया है कि कानून की नजर में सभी समान हैं और जांच निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ेगी। ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार के अनुसार, पुलिस को विश्वसनीय गुप्त सूचना मिली थी कि गांव के एक घर में अवैध हथियार छिपाकर रखे गए हैं। सूचना मिलते ही टीम गठित की गई और बिना समय गंवाए देर रात छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान हथियार और कारतूस मिलने के बाद युवक को तुरंत हिरासत में ले लिया गया।

पुलिस अब इस मामले को केवल एक व्यक्ति तक सीमित मानकर नहीं चल रही है। पूछताछ के दौरान यह जानने की कोशिश की जा रही है कि हथियारों की आपूर्ति कहां से हुई, इन्हें रखने का उद्देश्य क्या था और क्या इसके पीछे कोई संगठित नेटवर्क सक्रिय है। जांच का दायरा बढ़ाए जाने के संकेत भी मिल रहे हैं।

इस कार्रवाई को लेकर गांव में तरह-तरह की चचाएं हैं। आम लोगों का मानना है कि लंबे समय से अवैध हथियारों की अफवाहें सुनाई देती थीं, लेकिन पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से अपराधियों में खौफ और आम नागरिकों में भरोसा पैदा हुआ है। लोगों को उम्मीद है कि इससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और मजबूत होगी।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि पूछताछ पूरी होने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा और यदि जांच में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उन पर भी कठोर कार्रवाई होगी। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे भयमुक्त होकर अवैध गतिविधियों की सूचना पुलिस को दें, ताकि समय रहते अपराध की जड़ पर प्रहार किया जा सके।

बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में बिहार के गरीब मरीजों का नहीं हो पा रहा है इलाज, बक्सर सांसद ने उठाए सवाल

- **बोले सांसद लंबित भुगतान के कारण रुकी दवाओं की आपूर्ति, वाराणसी के प्रमुख ट्रॉमा सेंटर में आयुष्मान लाभार्थियों का इलाज प्रभावित**

केटी न्यूज/बक्सर

वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के ट्रॉमा सेंटर में बिहार के आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज कराने वाले मरीजों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। इलाज व्यवस्था बाधित होने से सबसे ज्यादा असर गरीब, सड़क दुर्घटना पीड़ित और गंभीर रूप से घायल मरीजों पर पड़ा है, जिनके लिए यह ट्रॉमा सेंटर वर्षों

से एक भरोसेमंद चिकित्सा केंद्र रहा है। मामले को लेकर बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं और इसे गंभीर प्रशासनिक चूक बताया है। सांसद का कहना है कि बिहार सरकार द्वारा बीएचयू ट्रॉमा सेंटर का भारी भुगतान लंबित रहने के कारण दवाओं की आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे अस्पताल में नियमित इलाज संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर इस विषय में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सांसद के अनुसार, बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में इलाज कराने वाले मरीजों में लगभग 40 प्रतिशत मरीज बिहार से आते हैं। इनमें बक्सर सहित आसपास के जिलों के मरीजों की संख्या काफी अधिक है। उत्तर प्रदेश स्थित यह संस्थान बिहार के सीमावर्ती जिलों के लिए गंभीर मामलों में सबसे नजदीकी और उन्नत चिकित्सा सुविधा माना जाता है। ऐसे में यहां इलाज रुकना सीधे तौर पर मरीजों की जान को जोखिम में डालने जैसा है।

बताया जा रहा है कि भुगतान में देरी के कारण दवा आपूर्तिकर्ता कंपनियों ने अस्पताल को जरूरी दवाएं देना बंद कर दिया है। इसका सीधा असर आपातकालीन सेवाओं और सर्जरी सहित अन्य इलाज प्रक्रियाओं पर पड़ा है। आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य गरीबों को निशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना है, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्थागत खामियां इस उद्देश्य पर सवाल खड़े कर रही हैं।

सांसद ने सरकार से मांग की है कि लंबित भुगतान तुरंत जारी कर इलाज व्यवस्था को सामान्य किया जाए। साथ ही इस पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश सरकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर मरीजों के इलाज को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

यह मामला अब केवल भुगतान या प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि हजारों गरीब परिवारों की स्वास्थ्य सुरक्षा और जीवन से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुका है। समय रहते समाधान नहीं हुआ तो इसका असर और व्यापक हो सकता है।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, बेलवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.N.B. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरूवार

कोरान सराय मध्य विद्यालय में आरएसएस द्वारा हिंदू सम्मेलन का आयोजन, सनातन संस्कृति की रक्षा का आह्वान

जात-पात से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता और हिंदू एकता मजबूत करने पर वक्ताओं ने दिया जोर

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरान सराय मध्य विद्यालय के परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के तत्वावधान में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता हृदयानंद पांडे ने की, जबकि संचालन विभाग कार्यवाहक विमल कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के गीत से हुआ, जिसके बाद हिंदू धर्म के जयघोष और संस्कृत भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए गए। आयोजन में बड़ी संख्या में सकल हिंदू समाज के लोगों की भागीदारी देखी गई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में सनातन संस्कृति और सनातन धर्म को कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने समाज में विभाजन पैदा करने वाली प्रवृत्तियों से सतर्क रहने की

आवश्यकता बताई और जात-पात के नाम पर हिंदुओं को आपस में लड़ाने के प्रयासों का विरोध किया। वक्ताओं ने कहा कि हिंदू समाज को इन चुनौतियों का सामना एकजुट होकर करना होगा।

सनातन संस्कृति की रक्षा पर जोर

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने सकल हिंदू समाज से आग्रह किया कि जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर मंदिरों, मठों और सांस्कृतिक परंपराओं की रक्षा करें। साथ ही गांव-गांव जाकर हिंदू भावना को जागृत करने की आवश्यकता बताई, ताकि समाज में एकता और जागरूकता बनी रहे।

धर्मांतरण और सामाजिक समरसता पर चर्चा

सम्मेलन में वक्ताओं ने कथित रूप से हो रहे धर्मांतरण के प्रयासों पर भी चिंता व्यक्त की और लोगों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को जागरूक रहने की सलाह दी। वक्ताओं ने कहा कि यदि समाज जात-पात में बंटा रहेगा तो सनातन संस्कृति कमजोर होगी, इसलिए सामाजिक समरसता और समानता पर आधारित समाज का निर्माण समय की मांग है।

राष्ट्र सेवा और गांव-गांव जागरण का संदेश

हिंदू सम्मेलन में यह भी कहा गया कि स्वयंसेवकों का कर्तव्य है कि वे राष्ट्र निर्माण के साथ-साथ गांवों में जाकर सामाजिक समरसता का संदेश दें। वक्ताओं ने एकजुटता को देश, धर्म और समाज की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि एकजुट हिंदू समाज से ही देश सुरक्षित रहेगा और सांस्कृतिक विरासत संरक्षित रह सकेगी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर नंदजी दुबे, जयशंकर पांडे, लक्ष्मण दुबे, राष्ट्रीय हिंदू फंड के दक्षिण बिहार प्रांत के संगठन मंत्री संतोष दुबे उपस्थित रहे। इसके अलावा शालिग्राम दुबे, सुमित कुमार गुप्ता, सुमित कुमार शर्मा, गोविंदर तिवारी, विपिन बिहारी सिंह, ब्रह्मेश्वर तिवारी, शिक्षक पूणानंद मिश्रा, शिक्षक राहुल मिश्रा, ऐश्वर्या मिश्रा, विमलेश कुमार तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में सकल हिंदू समाज के लोग सम्मेलन में शामिल हुए।

सांस्कृतिक अस्मिता, आजीविका और इतिहास के सवाल पर उठा जनस्वर

अच्छी पहल : ऐतिहासिक फागुनी पशु मेला बचाने को एकजुट हुआ ब्रह्मपुर

मेला बरकरार रखने का ग्रामीणों ने लिया सामूहिक संकल्प

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर की पहचान केवल एक कस्बे भर की नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही एक जीवंत परंपरा की है। बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर और उससे जुड़ा एशिया प्रसिद्ध ऐतिहासिक फागुनी पशु मेला इस पहचान की रीढ़ माने जाते हैं। हाल के दिनों में इस मेला को लेकर उठी आशंकाओं और चचाओं के बीच रविवार को ब्रह्मपुर में हुई बैठक ने साफ कर दिया कि यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि लोगों की आस्था, रोजगार और सांस्कृतिक विरासत का सवाल है।

समाजसेवी सुरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में मंदिर परिसर के समीप आयोजित इस बैठक में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता जुटे। बैठक का माहौल सामान्य चर्चा से आगे बढ़कर एक जनचेतना सभा का रूप ले चुका था, जहां हर वक्ता की चिंता एक ही थी कि फागुनी पशु मेला किसी भी

सूरत में खत्म या सीमित न हो।

वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि ब्रह्मपुर का फागुनी पशु मेला केवल व्यापारिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है। यह मेला खासतौर पर घोड़ों के लिए जाना जाता रहा है और दशकों तक दूर-दराज के राज्यों से व्यापारी यहां आते रहे हैं। इससे न केवल क्षेत्र की पहचान बनी, बल्कि स्थानीय लोगों की आजीविका भी इससे जुड़ी रही है। मेला के समय होटल, परिवहन, छोटे दुकानदार और मजदूर वर्ग तक को रोजगार मिलता है।

अध्यक्षीय संबोधन में सुरेंद्र सिंह ने दो टूक कहा कि यदि इस ऐतिहासिक परंपरा से छेड़छाड़ की कोशिश की गई तो जनता चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर धरोहर संरक्षण की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ ऐसे प्रयास दिख रहे हैं जो इतिहास को मिटाने की ओर इशारा करते हैं। ब्रह्मपुर की पहचान बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर और फागुनी पशु मेला से है, और यही इसकी आत्मा है।

बैठक में इतिहास के पन्ने भी पलटे गए। वक्ताओं ने बताया कि जैसे सोनपुर का हरिहर क्षेत्र पशु मेला विश्व प्रसिद्ध है, वैसे ही ब्रह्मपुर का फागुनी पशु मेला भी अपने विशेष स्वरूप के कारण ऐतिहासिक महत्व रखता है। घोड़ा मेला के रूप में इसकी अलग पहचान रही है, जिसने बक्सर जिले को राष्ट्रीय मानचित्र पर एक खास स्थान दिलाया।

चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि हाल ही में एक प्रमुख अखबार में मेला क्षेत्र को लेकर प्रकाशित रिपोर्ट में प्रतिबंधित क्षेत्र को छोड़कर अन्य चिन्हित इलाकों में मेला आयोजन की संभावना जताई गई थी। साथ ही यह भी बताया गया कि मेला से सरकार को राजस्व की प्राप्ति होती रही है। इस आधार पर लोगों ने प्रशासन से सकारात्मक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की मांग की। राजद के राज्य परिषद सदस्य दामोदर यादव ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि मेला के स्वरूप में अनावश्यक हस्तक्षेप हुआ तो आंदोलन तय है। उन्होंने इसे जनआस्था और रोजगार से जुड़ा विषय बताते हुए कहा कि जनता किसी भी साजिश को सफल नहीं होने देगी। वहीं वक्ता टाना यादव ने कुछ व्यक्तियों पर आरोप लगाया कि निजी स्वार्थ के तहत प्रशासनिक अनुमति का दुरुपयोग कर मेला को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, जिससे व्यापारियों को भड़काया जा सके।

बैठक के अंत में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर प्रशासन से मांग की गई कि फागुनी पशु मेला का आयोजन पूर्ववत स्वरूप में सुनिश्चित किया जाए। लोगों ने साफ कहा कि यह केवल एक मेला नहीं, बल्कि ब्रह्मपुर की सांस्कृतिक विरासत है, जिसे हर हाल में संरक्षित किया जाना चाहिए। इस बैठक ने एक स्पष्ट संदेश दे दिया कि ब्रह्मपुर अपनी पहचान और इतिहास के साथ किसी भी समझौते के लिए तैयार नहीं है।

बैठक में नगर पंचायत प्रतिनिधि राकेश महतो, सुभाष यादव, छवि नंदन पांडे, भारत वर्मा, त्रिपाठी, मनोज पांडे, अवधेश पांडे, चंद्र मोहन पांडे, डॉक्टर शकीरा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

सिमरी में चोरी से बिजली जलाने वाले आटा चक्की संचालक पर दो लाख के जुर्माने के साथ एफआईआर दर्ज

डुमरांव। सिमरी प्रखंड में बिजली चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत विद्युत विभाग ने एक कमर्शियल उपभोक्ता पर बड़ी कार्रवाई कर यह साफ संदेश दे दिया है कि अब तकनीकी हेराफेरी बर्दाश्त नहीं होगी। कोरानसराय सहायक विद्युत अभियंता अर्जुन वर्मा के नेतृत्व में गठित जांच टीम ने हलवापट्टी गांव स्थित एक आटा चक्की औद्योगिक परिसर में छापेमारी कर बिजली चोरी के पुख्ता सबूत पकड़े। जांच के दौरान टीम ने पाया कि परिसर में स्थापित इंडक्शन मोटर के साथ अतिरिक्त तार जोड़कर मीटर की वास्तविक रीडिंग को प्रभावित किया जा रहा था। इस सुनियोजित तकनीकी छेड़छाड़ के जरिए लंबे समय से विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी, जिससे न सिर्फ विभाग को राजस्व का नुकसान हो रहा था, बल्कि ईमानदार उपभोक्ताओं पर भी अप्रत्यक्ष आर्थिक बोझ बढ़ रहा था। मामले में उपभोक्ता श्री भगवान चौहान, पिता लाल मोहर चौहान, के स्वामित्व वाले औद्योगिक परिसर को दोषी पाते हुए बिजली अधिनियम के तहत 2,01,796 रुपये का भारी भरकम अर्थदंड लगाया गया। कार्रवाई यहीं नहीं रुकी–मामले की गंभीरता को देखते हुए सिमरी थाना में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। जांच टीम में मानवल सुशील कुमार, मुलायम यादव, ओम प्रकाश राय और शिवजी यादव शामिल थे, जिन्होंने पूरी प्रक्रिया को नियमों के अनुसार अंजाम दिया। विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी सिर्फ कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों के साथ धोखाधड़ी है। इससे वितरण व्यवस्था प्रभावित होती है और घाटे की भरपाई अंततः सामान्य उपभोक्ताओं से की जाती है। विभाग ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में औद्योगिक और कमर्शियल प्रतिष्ठानों की जांच और तेज की जाएगी, खासकर उन इलाकों में जहां खपत और बिलिंग के आंकड़ों में असामान्य अंतर पाया जा रहा है। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें और किसी भी तरह की तकनीकी छेड़छाड़ से बचें। विभाग ने यह भी चेतावनी दी कि भविष्य में दोषी पाए जाने पर और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई सिमरी में बिजली चोरी के खिलाफ एक कड़ा संदेश बनकर सामने आई है।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर पूर्व मंत्री ददन यादव ने सरकार पर किया तीखा हमला

डुमरांव। डुमरांव के पूर्व विधायक और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री ददन यादव ने सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर सत्ताधारी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस कार्रवाई को लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार बताते हुए इसे सत्ता की बदले की राजनीति करार दिया। पूर्व मंत्री ने कहा कि जिस बिहार में अपराधियों और महिलाओं के साथ अत्याचार करने वालों पर शिकंजा कसने में पुलिस नाकाम दिख रही है, वहीं जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाने वाले जनप्रतिनिधियों को निशाना बनाया जा रहा है। ददन यादव ने आरोप लगाया कि आधी रात को 31 वर्ष पुराने मामले में सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी सरकार के अहंकार और तानाशाही सोच को उजागर करती है। उन्होंने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि यह कैसी न्याय व्यवस्था है, जहां बहू-बेटियों के साथ जघन्य अपराध करने वाले खुलेआम घूमते हैं, जबकि उनके लिए न्याय की मांग करने वालों को जेल भेज दिया जाता है। पूर्व मंत्री ने कहा कि हाल ही में पप्पू यादव ने नीट परीक्षा की एक छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म मामले को लेकर खुलकर आवाज उठाई थी। इसके तुरंत बाद उनकी गिरफ्तारी ने कई संदेह पैदा कर दिए हैं। उन्होंने इसे सरकार की असहजता और आलोचना से डर का परिणाम बताया। ददन यादव ने राज्य की वर्तमान शासन व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिहार में आज तीन चेहरों वाली सरकार चल रही है, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा शामिल हैं। इस व्यवस्था में सत्ता का संतुलन बिगड़ा हुआ है और निर्णयों का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। पूर्व मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध और सवाल पूछना अपराध नहीं है। आवाज उठाने वालों को जेल भेजना तानाशाही की पहचान है। उन्होंने सरकार से मांग की कि सांसद पप्पू यादव को तत्काल रिहा किया जाए और राज्य में बढ़ते अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ईमानदार प्रयास किए जाएं।

मठिला छलका बधार में पानी भरे गड्ढे में गिरी आल्टो कार, बाल-बाल बचे सवार

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के मठिला छलका बाधार में रविवार की देर शाम एक भीषण हादसा होते-होते बच गया। हुआ ये कि बारातियों को लेकर जा रही एक आल्टो कार छलका बधार स्थित सड़क के पुल से अनियंत्रित हो पानी भरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के समय कार में चालक समेत कुल तीन लोग सवार थे, जो गेट खोल जैसे-तैस पानी से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों के अनुसार बारातियों को लेकर एक कार इटाढ़ी की तरफ से ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के कैथी गांव जा रही थी। कार में चालक समेत कुल तीन लोग ही सवार थे। छलका बधार के पास स्थित पुलिया पर संवभवतः सामने से आ रही किसी तेज रफ्तार वाहन से बचने के प्रयास में कार चालक ने संतुलन खो दिया तथा कार पानी भरे गड्ढे में जा गिरी।

इस हादसे में किसी को चोटे नहीं आई है, हालांकि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। कार सवार लोगों की पहचान नहीं हो सकी है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस घटना स्थल की ओर रवाना हो चुकी है।

गौरतलब हो कि मठिला के छलका बधार के पास अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होते रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां स्थित पुलिया का रेलिंग लंबे समय से टूट गया है, जिस कारण यहां अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती है।

प्रो. एके दूबे का महाशिवरात्रि महोत्सव में सहभागिता का आह्वान, सभी आत्मीय बंधुओं को आमंत्रण

केटी न्यूज/डुमरांव

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सिमरी प्रखंड के दुबौली गांव में आयोजित होने वाले महोत्सव को लेकर उत्साह का माहौल है। महाशिवरात्रि महोत्सव के आयोजक स्थानीय गांव निवासी तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अखिलेश दूबे ने अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पारिवारिक और आत्मीय बंधुओं से विशेष आग्रह किया गया है। बता दें कि प्रो. दूबे दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक के साथ ही संघ परिवार से जुड़े है तथा इतिहास संकलन में सक्रिय है। वे इतिहास संकलन केशवकुंज दिल्ली के उपाध्यक्ष भी हैं, ने अपने संदेश में कहा

कि महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह पर्व समाज को एक सूत्र में बांधने, आपसी भाईचारे को मजबूत करने और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं और आगंतुकों को आध्यात्मिक शांति के साथ सांस्कृतिक आनंद की अनुभूति होगी। महोत्सव का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। यह आयोजन 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के मौके पर उनके पैतृक गांव दुबौली के शिवमंदिर प्रांगण में आयोजित होगा। प्रो. दुबे ने सभी आत्मीय बंधुओं, परिवारजनों और शुभचिंतकों से अनुरोध किया कि वे इस पावन अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं और महोत्सव की गरिमा को बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि सभी आगंतुकों का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया जाएगा। महाशिवरात्रि महोत्सव को लेकर आयोजकों में भी उत्साह है और तैयारियां जोरों पर हैं। उम्मीद की जा रही है कि यह आयोजन श्रद्धा, समर्पण और सामाजिक एकता का संदेश देने में सफल होगा।

भोजन बैंक बक्सर का 44वां सप्ताह पूर्ण, जरूरतमंदों को प्रसाद रूपी भोजन

भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान की पहल, समाजसेवियों और दानदाताओं के सहयोग से सफल आयोजन

केटी न्यूज/बक्सर

भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के तत्वावधान में संचालित भोजन बैंक बक्सर द्वारा रविवार को 44वें सप्ताह में जरूरतमंदों और गरीबों को निःशुल्क प्रसाद रूपी भोजन कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों ने भोजन ग्रहण किया। आयोजन का उद्देश्य मानव सेवा के माध्यम से समाज में सहयोग और संवेदना की भावना को मजबूत करना रहा।

इस सेवा कार्यक्रम का संयुक्त रूप से संचालन आनंद कुमार (जिला आपूर्तिकर्ता, मदर डेयरी दूध), मनोज वर्मा, अजीत वर्मा एवं अनिल वर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समाजसेवियों ने

भोजन बैंक द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। समाजसेवी प्रभात शर्मा, चंदन उपाध्याय एवं दीपक कुमार सिंह ने कहा कि भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान द्वारा संचालित यह सेवा कार्य वास्तव में काबिले-तारीफ है। उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि ऐसे पुनीत कार्यों में तन, मन और धन से सहयोग करें, क्योंकि नर सेवा ही नारायण सेवा मानी जाती है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कई दानदाताओं और सहयोगियों का योगदान रहा। आनंद कुमार (मदर डेयरी) एवं प्रभात शर्मा द्वारा खाद्य सामग्री का सहयोग किया गया, जबकि आर्थिक रूप से राहुल वर्मा (आर.आर. ओग्रीमेंट), संजय कुमार सोनी, रामेश्वर प्रसाद सिंह, रमेश वर्मा, अमन केशरी और प्रतिमा जी सहित अन्य लोगों ने सहयोग प्रदान किया। संस्थान की ओर से सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर संतोष राय, अधिवक्ता अकरम, शिक्षक अर्जुन सिंह, अजीत वर्मा (चुरामनपुर), प्रमोद केशरी (एलआईसी), अधिवक्ता शिवम सिंह, आर्यन उपाध्याय, चंदू सिंह, रौशन पाण्डेय सहित कई गणमान्य नागरिक, मित्रगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में चंदन कुमार उपाध्याय, अधिवक्ता राजेश कुमार एवं अभिभावक मोहम्मद असलम ने भोजन बैंक को निरंतर संचालित रखने में सहयोग करने वाले सभी दानदाताओं एवं उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसके साथ ही भुआली वर्मा एवं गुप्तेश्वर पटेल द्वारा भोजन बैंक की टीम के साथ गौग्रास के माध्यम से गौ माता की सेवा भी की गई। भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के सचिव राजीव कुमार तथा भोजन बैंक मार्गदर्शन टीम के शिक्षक अजीत कुमार (बालाजी), ललन राम एवं मनोज गुप्ता ने जानकारी दी कि आगामी रविवार को भी सुबह 9 बजे बक्सर रेलवे स्टेशन परिसर में पुनः भोजन वितरण किया जाएगा। साथ ही महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रसाद वितरण भी होगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सेवा कार्य में सहभागी बनें।

कतिकनार पंचायत में 15वीं वित्त योजना में गड़बड़ी का आरोप

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड अंतर्गत कतिकनार पंचायत में 15वीं वित्त आयोग की योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत द्वारा संचालित कई योजनाओं में वास्तविक कार्य कराए बिना ही कागजी प्रक्रिया पूरी कर भुगतान कर दिया गया। इससे पंचायत स्तर पर वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।ग्रामीणों के अनुसार, कुछ योजनाओं में कार्यस्थल की तस्वीरों में फोटोशॉप के माध्यम से फर्जी जियो टैग लगाया गया है, ताकि योजनाओं को पोर्टल पर पूर्ण दिखाया जा सके। जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। आरोप है कि जिन योजनाओं को अभिलेखों में पूर्ण दर्शार्या गया है, वे या तो अधूरी हैं या फिर मौके पर उनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।नियमों के अनुसार प्रत्येक योजना स्थल पर

सूचना बोर्ड लगाया जाना अनिवार्य है, जिसमें योजना का नाम, लागत, मद, कार्य अवधि और क्रियान्वयन एजेंसी का विवरण अंकित होना चाहिए। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि कई योजनाओं में बिना सूचना बोर्ड लगाए ही भुगतान कर दिया गया। इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों द्वारा योजनाओं का सत्यापन कर भुगतान स्वीकृत किया जाना संदेह को और गहरा करता है।ग्रामीणों का आरोप है कि इस तरह की अनियमितताओं से सरकारी राशि का दुरुपयोग हुआ है और पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो 15वीं वित्त आयोग की योजनाओं में हुई गड़बड़ियों का पूरा सच सामने आ सकता है। इस संबंध में दूरभाष पर पंचायत राज पदाधिकारी ने बताया कि मुझे ऐसी सूचना नहीं है,अगर तथ्य सही पाया गया तो इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों से सिर पर किताबों का बंडल ढुलवाने का वीडियो वायरल, बीईओ ने दिये जांच के आदेश

एजेंसी। पटना

पटना में बच्चों से सिर पर किताबों के बंडल ढुलवाये जाने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद बीईओ ने मामले की जांच के आदेश दिये हैं। बताया जाता है कि जो बंडल बच्चों से ढुलवाया गया वह किताब पांचवीं कक्षा से सातवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को स्कूलों में मुफ्त दिया जाता है। सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल इस वीडियो की पुष्टि फर्स्ट बिहार नहीं करता है। लेकिन वायरल वीडियो के बारे में बताया जाता है कि किताबों का बंडल पटना से सटे बाढ़ अनुमंडल स्थित एकडंगा पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मसत्थू की है। जिसे बच्चे अपने सिर पर रखकर स्कूल पहुंचा रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। किताबों के बंडल को बाढ़ प्रखंड के संकुल कार्यालय से ई-रिक्शा के जरिये यहां लाया गया था। बताया जाता है कि ई-रिक्शा चालक ने किताबों के बंडल को स्कूल के अंदर ले जाने से मना कर दिया था। जिसके बाद इन किताबों को अपने-अपने सिर पर रखकर स्कूल ले जाने का निर्देश बच्चों को दिया गया था। गुरुजी की आज्ञा का पालन करते हुए बच्चों ने इसे स्कूल तक पहुंचाया। इन बच्चों की उम्र कम है, इसके बावजूद इन्हें माथे पर रखकर इसे स्कूल पहुंचाने को कहा गया था। इस बात की जानकारी मिलने के बाद स्कूल के प्रभारी मो. शकील अहमद मौके पर पहुंचे तो देखा कि ई-रिक्शा चालक माथे पर लादकर किताबें स्कूल में ले जाते इन बच्चों का वीडियो बना रहा है। फिर उन्होंने ई-रिक्शा चालक से कहा कि इन किताबों को स्कूल में पहुंचाओगे तभी पेमेंट करेंगे। लेकिन कक्षा 8 में पढ़ने वाले छात्र शिवम का कुछ और ही कहना था। उसने बताया कि स्कूल के प्रभारी शकील अहमद ने ही बच्चों को माथे पर किताबों के बंडल को उठाकर स्कूल पहुंचाने को कहा था। उनकी आज्ञा का पालन हम लोगों ने किया है। बच्चों से सिर पर किताबों का बंडल ढुलवाने का वीडियो वायरल होने के बाद प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अमित कुमार ने कहा कि स्कूल के प्रभारी शकील अहमद से इस संबंध में पूछताछ की जाएगी। उनसे पूछा जाएगा कि किन परिस्थितियों में उन्होंने बच्चों से किताबें माथे पर ढुलवाई। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो में बच्चे स्कूल ड्रेस में नहीं दिख रहे हैं। इसलिए यह कहना मुश्किल होगा कि कि ये बच्चे स्कूल के छात्र है भी या नहीं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वायरल वीडियो के आधार पर विधालय प्रभारी से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल वायरल वीडियो की जांच की जा रही है।

आज हर हाल दफ्तर पहुंचे राजस्व अधिकारी, नहीं तो होगी कार्रवाई, डिप्टी सीएम ने दे दिया अल्टीमेटल

एजेंसी। पटना

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने हड़ताल पर राजस्व सेवा से जुड़े अंचल अधिकारियों एवं राजस्व अधिकारियों के लिए बड़ा आदेश जारी कर दिया है। हड़ताल पर गए सभी अधिकारियों को सोमवार को हर हाल में ड्यूटी पर लौटने का आदेश दिया गया है। जो अधिकारी इस आदेश का पालन नहीं करेंगे, उनपर बड़ी कार्रवाई होगी। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा कि तीन सदस्यीय समिति की बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी। यह समिति राजस्व अधिकारियों के कार्य, अधिकार एवं दायित्वों पर विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर पर सभी अंचल अधिकारियों से तत्काल प्रभाव से योगदान देने की अपील की गई है। कई जिलें में शनिवार को कई अधिकारी ड्यूटी पर लौट गए हैं। यह अच्छी बात है।

अधिकारियों के सम्मान में कोई कमी नहीं की जाएगी

विजय सिन्हा ने कहा कि जो अधिकारी अब तक ड्यूटी पर नहीं लौटे हैं, वह सोमवार यानी नौ फरवरी को योगदान करें। अगर कोई अधिकारी अनुपस्थित पाए गए तो उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। सोमवर दिन प्रधान सचिव सी.के. अनिल एवं सचिव जय सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर स्थिति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वाले अधिकारियों के सम्मान में कोई कमी नहीं की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी अंचल अधिकारी राज्य सरकार द्वारा संचालित एग्रीस्टैक महाअभियान, ई-मापी महाभियान एवं राजस्व महाअभियान के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निष्पादित करें। इन अभियानों के सीधा लाभ राज्य की जनता को मिलेगा। इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही उचित नहीं है।

अच्छी उपलब्धि पर सभी को फायदा मिलेगा'

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि राज्य के सभी हल्का कर्मचारियों से अपील की कि वे किसी भी बहकावे में न आकर जनता के विश्वास पर खरा उतरें और पूर्व के उत्साह एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। 31 मार्च तक जिस स्तर पर सुधार का लक्ष्य तय किया गया है उसकी अच्छी उपलब्धि पर सभी को फायदा मिलेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कृषि विभाग का मंत्री रहते हुए कृषि समन्वयकों के बेहतर काम करने पर उनके वेतन में रिकॉर्ड वेतन वृद्धि की गई थी। ऐसा ही मौका आप सभी के पास भी है।

व्यवधान किसी भी हाल में बर्दास्त नहीं किया जाएगा

प्रधान सचिव सीके अनिल ने कहा कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा जी के नेतृत्व में चल रहे भूमि सुधार जनकल्याण संवाद से विभाग के प्रति जनता का भरोसा बहुत बढ़ा है। छवि में लगातार सुधार हो रहा है। उनके संवाद अभियान में व्यवधान किसी भी हाल में बर्दास्त नहीं किया जाएगा। विभाग में सुधारवादी कार्य लगातार जारी रहेंगे। 31 मार्च तक विभागीय टारगेट को पूरा करना सबका उद्देश्य होना चाहिए।

देश की नारी सशक्तिकरण और घर की स्वाभिमान है बेटियां : डॉ. मनीष

- **बेटी जन्मोत्सव पर भाजपा सदस्य ने समाज को किया जागरूक**

केटी न्यूज/रोहतास

भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह काराकाट विधानसभा नेता डॉ. मनीष रंजन ने लगातार पांचवें वर्ष बेटी जन्मोत्सव मनाते हुए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान से समाज में जागरूकता का संदेश दिया। अवसर भाजपा सदस्य ने शुक्रवार 6 फरवरी को अपनी बेटी राज नंदनी का 5वां जन्मोत्सव पटना स्थित पनास सभागार में उपस्थित सैकड़ों अतिथियों के आशीर्वाद वचन और प्रीतिभोज के साथ धूमधाम से मनाया। उक्त मौके पर भाजपा नेता डॉ. मनीष ने लोगों से बेटी जन्मोत्सव पर प्रकाश डालते हुए आग्रह पूर्वक कहा कि इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना और उनके अस्तित्व का सम्मान करना है। जिसका प्राथमिक लक्ष्य कन्या भ्रूण हत्या जैसे

अपराधों को रोकना और गिरते बाल लिंगानुपात यानी सीएसआर में सुधार लाना है। बेटी जन्मोत्सव बेटियों को लड़कों के समान अधिकार,बेहतर शिक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता को भी पैदा करता है। साथ ही सभी माता-पिता को समझना चाहिए कि बेटियों को परिवार पर बोझ न मानकर उन्हें भारत के महिला सशक्तिकरण के रूप में देखे। घर में बेटी का जन्म अभिशाप नहीं,बल्कि घर में खुशियां और समृद्धि लाने वाला वरदान है। अवसर पर पूर्व चेयरमैन सह व्यापार मंडल अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह, विमला देवी,नेहा सिंह, स्वप्निल सिंह, रूबी सिंह, सरोज सिंह, विकास सिंह,मनमोहन तिवारी, मनोज सिंह, विवेक कुशवाहा, युवराज सिंह सहित सैकड़ों राजनीति कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित थे।

डेहरी विधायक सदन में महिला कॉलेज में विषय की पढ़ाई पर रखेंगे प्रस्ताव

विधानसभा क्षेत्रों में जनहित में विकास करना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य : सोनू सिंह

केटी न्यूज/रोहतास

डेहरी विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्य राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह ने बिहार विधानसभा के चालू सत्र के दौरान रोहतास जिले के डेहरी स्थित महिला महाविद्यालय डालमियानगर में अभी तक विज्ञान व वाणिज्य संकाय के अंतर्गत किसी भी विषय की अध्यापन कार्य नहीं होने तथा महाविद्यालय में 500 विद्यार्थियों के क्षमता वाले परीक्षा भवन निर्माण करने से संबंधित मुद्दा जोरदार ढंग से रखा। विधायक सोनू सिंह द्वारा तारांकित प्रश्न 18/2/951 के जवाब में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार द्वारा बताया गया है कि अंगीभूत महाविद्यालय में परीक्षा भवन या अन्य किसी प्रकार के असैनिक निर्माण के लिए जिले के जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित

समिति के द्वारा सरकार को कोई अनुशंसा प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुई है जैसे ही अनुशंसा प्राप्त होगी महाविद्यालय में परीक्षा भवन का निर्माण कराया जाएगा। वही मंत्री ने अपने जवाब में विधायक को बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय के प्रतिवेदन के अनुसार उक्त महाविद्यालय में कोई परीक्षा भवन का निर्माण नहीं हुआ है। तथा महाविद्यालय में नए पाठ्यक्रमों के शुरूआत करने हेतु विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार संबंधित विश्वविद्यालय ही उसके लिए सक्षम प्राधिकार है ।महाविद्यालय द्वारा संबंधित विश्वविद्यालय में विज्ञान और वाणिज्य संकाय की पढ़ाई के लिए प्रस्ताव भेजने पर सरकार निश्चित रूप से पद का सृजन करेगी। वहीं स्थानीय विधायक द्वारा अनुमंडल अस्पताल में विकास से संबंधित कई मुद्दों तथा झारखंडी पार्क के निर्माण आदि कई जनहित के मुद्दा उठाए गए हैं। विधायक सोनू सिंह ने बताया कि सत्र समाप्ति के बाद जिला पदाधिकारी से मिलकर महिला महाविद्यालय में परीक्षा भवन निर्माण से संबंधित प्रस्ताव सरकार में भेजा जाएगा साथ ही महाविद्यालय द्वारा वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय की पढ़ाई के लिए भी प्रस्ताव विश्वविद्यालय को भेज कर शीघ्र पढ़ाई प्रारंभ कराई जाएगी। सत्र में विधायक द्वारा इस तरह के जनहित के अन्य कई मुद्दों को उठाने पर विधानसभा क्षेत्र में लोगों में काफी हर्ष व्याप्त है तथा विधायक को कई लोगों ने साधुवाद दिया है।

होली बाद शुरू होगा मलाही पकड़ी और खेमनीचक मेट्रो स्टेशन के बीच सफर

एजेंसी। पटना

पटना मेट्रो परियोजना ने अपने विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा दिया है। मलाही पकड़ी और खेमनीचक मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने से पहले कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी (उटफर) की अंतिम जांच फरवरी के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है। मेट्रो अधिकारियों का मानना है कि यदि सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर स्टेशन खरे उतरते हैं, तो मार्च के पहले सप्ताह में इन दोनों स्टेशनों से मेट्रो सेवा शुरू हो सकती है। इससे राजधानी पटना में मेट्रो नेटवर्क का दायरा बढ़ेगा और यात्रियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। मेट्रो परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, उटफर की टीम 25 से 28 फरवरी के बीच पटना पहुंचेगी। इस दौरान टीम

मलाही पकड़ी और खेमनीचक स्टेशन के ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, प्लेटफॉर्म सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाएं और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच करेगी। यह प्रक्रिया मेट्रो परिचालन शुरू होने से पहले अनिवार्य होती है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा और सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग एक सप्ताह के भीतर मेट्रो परिचालन की अंतिम तिथि की घोषणा कर दी जाएगी। अधिकारियों का दावा है कि अब तक की तैयारियां संतोषजनक पाई गई हैं। वर्तमान में पटना मेट्रो आईएसबीटी, जीरो माइल और भूतनाथ स्टेशन के बीच संचालित हो रही है। मलाही पकड़ी और खेमनीचक स्टेशन के जुड़ने के बाद मेट्रो कॉरिडोर की लंबाई छह किलोमीटर से अधिक हो जाएगी। इस विस्तार से खासकर पूर्वी पटना के इलाकों को सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे रोजाना कामकाज और पढ़ाई के लिए यात्रा करने वाले हजारों लोगों को समय की बचत होगी और ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। इसी बीच पटना मेट्रो का प्रशासनिक ढांचा भी मजबूत किया जा रहा है। मेट्रो का प्रशासनिक कार्यालय अब बोरिंग रोड स्थित इंदिरा भवन से स्थानांतरित होकर आईएसबीटी डिपो परिसर में शिफ्ट किया जा रहा है। अगले दो से तीन दिनों में कार्यालय स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। आईएसबीटी डिपो परिसर में जी प्लस चार मंजिला आधुनिक प्रशासनिक भवन तैयार कर लिया गया है, जहां मेट्रो परियोजना से जुड़े सभी अधिकारी और कर्मचारी बैठेंगे। इससे परियोजना के संचालन और निगरानी में अधिक सुविधा होगी। पटना मेट्रो परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए जल्द ही पीएमआरसीएल के अधिकारियों और संबंधित निर्माण एजेंसियों के बीच एक महत्वपूर्ण इंटरफेस बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय, निर्माण कार्यों में आ रही समस्याओं और उनके त्वरित समाधान पर चर्चा की जाएगी, ताकि परियोजना समय सीमा के भीतर पूरी हो सके। नए मेट्रो स्टेशनों के शुरू होने से पटना के कई इलाकों में सड़क जाम की समस्या में कमी आने की उम्मीद है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा और निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी। इससे न केवल शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि प्रदूषण स्तर में भी कमी आने की संभावना है।

पुलिस की वर्दी में रील बनाना पड़ गया महंगा, 4 वीडियो क्रिएटर गिरफ्तार

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले के डेहरी में पुलिस की वर्दी पहनकर रील बना रहे वीडियो क्रिएटर्स को मुफस्सिल थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से नकली हथियार और प्लास्टिक पिस्टल बरामद किया गया है।सोशल मीडिया पर लाइक और सब्सक्राइब बनाने के चक्कर में 4 वीडियो क्रियेटर सलाखों के पीछे चले गये। मामला रोहतास जिले के डेहरी ऑन सोन का है। जहां पुलिस की वर्दी पहनकर रील बनाना इन चारों वीडियो क्रिएटरो को काफी महंगा पड़ गया। डेहरी के मुफ्फसिल थाने की पुलिस ने 4 वीडियो क्रिएटरो को एक साथ गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग पुलिस की वर्दी तथा एक स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर सड़क पर आने जाने वाले लोगों को रोक रहे हैं तथा वीडियो बना रहे हैं। इस पर मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची तथा इन सभी को गिरफ्तार कर लिया। शत्रुघन कुमार, राहुल कुमार, शंभू कुमार तथा प्रिंस कुमार को पकड़ा गया है। जिसमें दो युवक पुलिस की वर्दी में थे। इस संबंध में डेहरी के एएसपी अतूलेश झा ने बताया कि इन लोगों के पास से लकड़ी के बने कई नकली हथियार जैसा सामान मिला है। साथ ही प्लास्टिक का पिस्टल भी बरामद किया गया है। जो सभी नकली है। साथ ही इन लोगों की जो वर्दी है वह असली है और वर्दी पर लगा बिहार पुलिस का लोगों भी असली है। पुलिस का कहना है कि यह लोग स्वांग रचने का काम करते हैं। बता दे की इन लोगों का कई वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है। यह लोग खासकर पुलिस की वर्दी में रील बनाने का काम करते हैं। सवाल उठता है कि वीडियो क्रिएटर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके बाद पुलिस की वर्दी में रील बनाने वालों वीडियो क्रिएटरो के बीच हड़कंप मच गया। बता दे कि इन दिनों पुलिस तथा सेना की वर्दी में रील बनाने की प्रचलन हो गया है। लेकिन इस बार रील बनाना इन लोगों को महंगा पड़ गया।

एक नजर

एससी-एसटी के प्राथमिकी दर्ज में दो आरोपी को जेल

काराकाट। काराकाट पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट की धाराओं के तहत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि शनिवार को थाना क्षेत्र के कुशी गांव में एक मारपीट की घटना के बाद एससी-एसटी मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। वादी अमित कुमार राम ने तीन लोगों को आरोपी बनाया है । दरअसल, कुशी गांव निवासी स्वर्गीय हीरालाल राम के पुत्र अमित कुमार राम के साथ गांव के कुछ लोगों ने मारपीट की। जो अमित कुमार राम ने काराकाट थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर कांड संख्या 51/26 दर्ज किया गया । थानाध्यक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रविवार को दो आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में कुशी गांव के निर्मल सिंह का पुत्र अरुण कुमार और स्वर्गीय हरदेव सिंह का पुत्र राजू सिंह शामिल हैं । दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है । थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने कहा कि क्षेत्र में मारपीट या किसी भी आपराधिक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस ने छापामारी और गश्त तेज कर दी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

साहित्यकार कनक किशोर आरंभ सम्मान से सम्मानित,लोगों में खुशी

बिक्रमगंज। दावथ प्रखंड क्षेत्र के डेढ़गाँव स्थित आरंभ विद्यालय परिसर में आरंभ सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसमें भोजपुरी के विख्यात कवि और लेखक कनक किशोर को आरंभ सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रतिवर्ष शाहाबाद में जन्में ऐसे साहित्यकार, चित्रकार या रंगकर्मी को दिया जाता है, जिन्होंने अपनी रचनाओं और अपने कार्यों से अपनी माटी, अपनी भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति दिलायी हो। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार जितेन्द्र कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में आए सभी अतिथियों को अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समारोह में कनक किशोर की पुस्तक भोजपुरी शब्द संपदा जितेन्द्र कुमार की शब्द वातायन तथा ह्यरजनीगंधाह्व एवं भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका के नए अंक तथा सुरेश कांटक की धरती के गीतह्व पुस्तक का लोकार्पण हुआ। समारोह में आए अतिथियों में डॉ. नागेन्द्र झा महिला कॉलेज प्राचार्य डॉ. अमरेन्द्र कुमार मिश्र, प्रो. रविन्द्रनारायण सिंह और प्रो.विद्याशंकर तिवारी,भोजपुरी अकादमी नई दिल्ली के सदस्य रवि प्रकाश, चित्रकार कौशलेश पांडेय,किसान कवि लक्ष्मीकांत मुकुल तथा कवि हरेराम सिंह, कुमार शंभू शरण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जमीन हत्याकांड मामला : वाहन जब्त तीन शराबी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

काराकाट। काराकाट पुलिस ने दिसंबर 2025 में जमीनी विवाद में ट्रैक्टर से एक व्यक्ति की हत्या के सनसनीखेज मामले में संबंधित ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के बेलवाई लेवाबाद में दो पक्षों के बीच पांच साल से चले आ रहे जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। जो 10 दिसंबर 2025 को सुरेश सिंह उर्फ नागा सिंह की ट्रैक्टर पर सवार लोगों ने बेरहमी से रौंदकर हत्या कर दी।मृतक की पत्नी विमला देवी ने अपने फर्दबयान पर थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया, जिसका कांड संख्या 533/25 है। विमला ने बताया,जमीनी विवाद करीब पांच साल से चल रहा था। 10 दिसंबर को ट्रैक्टर पर बैठे लोगों ने मेरे पति की जान ले ली। पुलिस ने मामले की तफ्तीश तेज कर दी और आज आरोपी ट्रैक्टर को जब्त कर थाने ले आई। थानाध्यक्ष ने कहा कि अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा। इसी क्रम में रघुनाथपुर थाना क्षेत्र से तीन नशेड़ी को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बजरंगी कुमार,संतु कुमार और भिरवम कुमार के रूप में हुई। तीनों नशे की हालत में थे। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया गया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने चेतावनी भरा संदेश दिया,किसी भी प्रकार की अपराधी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। क्षेत्र में छापेमारी अभियान तेज कर दिया गया है और गश्ती बढ़ा दी गई है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद आज पहली बार बिहार दौरे आएंगे नितिन नवीन

एजेंसी। पटना

भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन पहली बार सोमवार यानी कल बिहार दौरे पर आ रह हैं। वह दो दिन पटना में रहेंगे। इसके लिए बिहार भाजपा की ओर से सारी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आगमन को लेकर कार्यकताओं में उत्साह है। वह दो दिन कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सोमवार को बापू सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत में अभिनंदन समारोह का आयोजन होगा। इसे लेकर कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह भी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नौ फरवरी को पटना आएंगे और 10 फरवरी को वापस लौट जाएंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपने दो दिनों के पटना प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। बैठक में उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में घोषित होने के बाद नितिन नवीन का पटना में पहला आगमन हो रहा है, यह हम सभी कार्यकताओं के लिए गर्व का विषय है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि सभी लोगों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पटना प्रवास के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों और सफल संचालन के लिए चार सदस्यीय एक टीम गठित की गई है, जिसमें प्रदेश महामंत्री राधामोहन शर्मा, लाजवंती झा, शिवेश राम और प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु शामिल हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पटना आगमन और उनके स्वागत तथा अभिनंदन के लिए उस दिन विभिन्न जिलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में पटना पहुंचेंगे।

सीएम पहुंचे बिदुपुर, लिया कार्यों का जायजा, कहा-

गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा के भीतर पूरा हो काम

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज फिर अचानक अपने आवास से निकले बिदुपुर पहुंच गए। वहां उन्होंने कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के निर्माण कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए चल रही सभी योजनाओं को गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ होना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि बचे हुये कार्य को अप्रैल माह तक पूर्ण कर लिया जायेगा।आवागमन के साथ-साथ कृषि, उद्योग सहित अन्य व्यवसायों का तेजी से होगा विकास

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के बचे हुये कार्यों को तेजी से पूर्ण कर लीजिए। साथ ही पहुँच पथ का भी निर्माण कार्य पूर्ण कर लीजिए ताकि आवागमन निर्बाध और सुचारू रूप से हो सके। उन्होंने कहा कि कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के पूर्ण होने से इस क्षेत्र के लोगों को राजधानी पटना से निर्बाध सड़क संपर्कता मिलेगी। इस क्षेत्र में कृषि, उद्योग सहित अन्य व्यवसायों का और तेजी से विकास होगा। आकस्मिक चिकित्सा की स्थिति में इलाज के लिये पटना पहुँचने में मरीजों को भी काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के प्रथम चरण के लोकार्पण के बाद पटना से राघोपुर तक की सम्पर्कता बहाल हो चुकी है। इस परियोजना के निर्माण कार्य का नियमित निरीक्षण करते रहे हैं और इसे जल्द पूरा करने के लिये अधिकारियों को निर्देशित करते रहे हैं।

महात्मा गांधी सेतु पर यातायात का भार होगा कम

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से महात्मा गांधी सेतु पर भी यातायात का भार कम होगा तथा उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार की सम्पर्कता के लिये लोगों को एक और वैकल्पिक मार्ग मिलेगा, जिससे आवागमन और सुगम होगा। इस पुल के निर्माण से पटना शहर के बाहर से ही लोग उत्तर बिहार के विभिन्न जगहों पर आसानी के साथ आवागमन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आमस-दरभंगा एक्सप्रेस-वे से कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना जुड़ेगा, जिससे समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी की तरफ जानेवाले लोगों को काफी सहूलियत होगी और समय की बचत होगी। उन्होंने कहा कि हमलोग राज्य में गुणवत्तापूर्ण सड़कों एवं पुलों का लगातार निर्माण कर आवागमन को सुगम बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की थी ड्रीम प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 जून 2025 को कच्ची दरगाह, पटना से राघोपुर दियारा, वैशाली तक नवनिर्मित पथांश का उद्घाटन किया था। पटना जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-30 पर अवस्थित कच्ची दरगाह एवं वैशाली जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ सख्या-103 पर अवस्थित बिदुपुर के बीच गंगा नदी पर कुल 19.76 कि०मी० लम्बाई के 6 लेन ग्रीन फिल्ड पुल परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 9.76 कि०मी० लम्बा पुल तथा 10 कि0मी0 लम्बा पहुंच पथों का निर्माण कार्य होना है। प्रथम चरण में कच्ची दरगाह, पटना से राघोपुर दियारा, वैशाली का उद्घाटन हो चुका है। यह कुल कुल लम्बाई 4.57 कि०मी० है। द्वितीय चरण में हाजीपुर-महनार पथ से चकसिकन्दर तक तथा तृतीय चरण में राघोपुर दियारा से हाजीपुर-महनार पथ का निर्माण किया जा रहा है।

इनकी भी रही मौजूदगी

निरीक्षण के दौरान जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा, पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चंद्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, पटना जिला के जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम०, वैशाली जिला की जिलाधिकारी वर्षा सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के० शर्मा और वैशाली जिला के पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग सहित वरीय अधिकारी भी वहां उपस्थित थे।

एक नजर

समस्तीपुर में कोचिंग टीचर की गोली मारकर हत्या घटना से गुस्साए लोगों ने किया सड़क जाम हंगामा

समस्तीपुर। समस्तीपुर में बेखौफ अपराधियों ने एक बार फिर अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। पुलिस को खुली चुनौती देते हुए अपराधियों ने एक टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। वही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से आक्रोशित लोगों ने शव के साथ मुख्य सड़क को जाम कर दिया और हंगामा मचाया। गुस्साए लोग हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं। मृतक की पहचान ताजपुर थाना क्षेत्र के मिजार्पुर निवासी गणेश सहनी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि गणेश सहनी हरपुर भिंडी गांव से ट्यूशन पढ़ाकर अपने घर लौट रहा था तभी पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात अपराधियों ने दर्जिनिया पुल पर ताबड़तोड़ गोली मारी और मौके पर ही टीचर की मौत हो गयी। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गये। घटना की सूचना मिलते ही ताजपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। बताया जाता है कि घटनास्थल के पास से पुलिस ने एक दर्जन से अधिक खोखा बरामद किया है। घटना के बाद स्थानीय लोग काफी आक्रोशित हो गए और राष्ट्रीय राज मार्ग पर शव रखकर जाम कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक पेशे से टीचर के साथ-साथ एडवोकेट भी थे। साथ में प्रॉपर्टी डीलर का भी काम करते थे। वह एक प्राइवेट कोचिंग में पढ़ाते थे। लोगों का कहना है कि मृतक रविवार को भी कोचिंग में बच्चों को पढ़ाकर लौट रहा था कि तभी पहले से घात लगाये बैठे अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। स्थानीय लोगों की माने तो बदमाशों ने करीब बीस राउंड फायरिंग की है। इधर सड़क जाम के कारण इस प्रमुख मार्ग पर दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई।

पप्पू यादव को पीएमसीएच से भेजा गया बेऊर जेल, समर्थकों की दिखी भारी भीड़

पटना। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव को रविवार की शाम पीएमसीएच से बेऊर जेल भेज दिया गया है। इस दौरान पीएमसीएच में पप्पू यादव के समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली। समर्थक लगातार नारेबाजी कर रहे थे। कह रहे थे कि पप्पू यादव मत घबराना हम तुम्हारे साथ हैं, गरीबों का मसीहा जिंदाबाद। पप्पू यादव को पीएमसीएच के वार्ड से स्टेचर पर लिटाकर एंबुलेंस के पास लाया गया उसके बाद उन्हें पुलिस और उनके समर्थकों की मदद से एम्बुलेंस में चढ़ाया गया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस कर्मी भी मौजूद रहे। सांसद पप्पू यादव को पीएमसीएच से जेल भेजा गया है, इस बात की जानकारी देते हुए ढूँ के अधीक्षक राजीव रंजन सिंह ने बताया है कि डॉक्टरों ने पप्पू यादव के स्वास्थ्य की जांच करने के बाद उन्हें पूरी तरह से फिट बताया और उसके बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी अपनी सुरक्षा में लेकर उन्हें बेऊर जेल गये हैं। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर उनके समर्थकों में काफी आक्रोश देखने को मिला। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी पप्पू यादव का साथ दिया। बिहार कांग्रेस पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर रविवार को प्रदर्शन किया। पटना स्थित कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में दोपहर 1 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पर यह कार्रवाई तब हुई जब वो लगातार NEET छात्रा के परिजनों को न्याय दिलाने की मांग लगातार कर रहे थे। रेप के बाद हत्या का मामला तब तूल पकड़ चुका था। इस मामले को लेकर खुद पप्पू यादव ने सरकार और उनकी पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। गौरतलब है कि 31 साल पुराने मामले में पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया था। 06 फरवरी शुक्रवार की देर रात पप्पू यादव को मंदिरी स्थित उनके आवास से अरेस्ट किया गया था। जब उनकी गिरफ्तारी हो रही थी तभी पप्पू यादव बेहोश हो गये और उनकी तबीयत बिगड़ी गई। इस दौरान उनके समर्थकों ने अपने नेता की गिरफ्तारी का विरोध किया। लेकिन कुछ देर बाद पप्पू यादव को गिरफ्तार कर पुलिस अपने साथ ले गई। मेडिकल जांच के लिए पहले आईजीआईएमएस ले जाया गया फिर पीएमसीएच उन्हें लाया गया। पीएमसीएच में जांच के बाद उन्हें बेऊर जेल ले जाया गया और कुछ घंटे बाद उन्हें जेल प्रशासन फिर पीएमसीएच ले गयी। रविवार को फिर उन्हें बेऊर जेल ले जाया गया है।

मुजफ्फरपुर में 5 दिन से लापता 5 वर्षीय मासूम का शव पोखर से बरामद, हत्या की आशंका

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर जिले के बेनीबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवदाहा बरैल गांव में पिछले पांच दिनों से लापता एक पांच वर्षीय बालक का शव मिलने से पूरे इलाके में कोहराम मच गया है। मृतक की पहचान मोहम्मद जुबैर के पुत्र अयान के रूप में हुई है। अयान का शव उसके घर से मात्र 100 मीटर की दूरी पर स्थित मस्जिद के पास एक पोखर से बरामद किया गया है। मासूम की मौत की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, अयान पिछले पांच दिनों से संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता था। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। रविवार को ग्रामीणों ने मस्जिद के समीप पोखर में एक बच्चे का शव

उतराते हुए देखा, जिसकी सूचना तुरंत परिजनों और पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने अयान के रूप में शव की शिनाख्त की। शव मिलने के बाद पीड़ित परिवार ने अयान की हत्या कर शव को पोखर में फेंकने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि बच्चे को सोची-समझी साजिश के तहत मार डाला गया है। ग्रामीणों में भी इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। घटनास्थल पर पहुंचे पंचायत समिति पति विजय कुमार ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस हर पहलू पर बारीकी से काम कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही बेनीबाद थाना प्रभारी साकेत सार्दुल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चे के लापता होने की शिकायत पहले से दर्ज थी और पुलिस लगातार उसे तलाश रही थी।

अरवल में भीषण सड़क हादसा : शिव चर्चा से लौट रहे श्रद्धालुओं का ऑटो ट्रक से टकराया, दो महिलाओं की मौत

एजेंसी। पटना

अरवल में भीषण सड़क हादसे में दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गयी है। वही 8 लोग बुरी तरह घायल हो गयी है। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। मौके पर मौजूद लोगों ने आनन-फानन में घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत खभैनी मोड़ के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग139 पर रविवार की शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ, जब शिव गुरु महोत्सव के तहत आयोजित भव्य शिव चर्चा कार्यक्रम से लौट रहे श्रद्धालु एक ऑटो में सवार होकर अपने-अपने गांव जा रहे थे। पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को मधुबन खेल मैदान में शिव गुरु महोत्सव के अंतर्गत भव्य शिव चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद करीब दस श्रद्धालु एक ऑटो में सवार होकर मेहंदिया थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों की ओर लौट रहे थे। जैसे ही ऑटो सदर थाना क्षेत्र के खभैनी मोड़ के पास राष्ट्रीय राजमार्गझ139 पर पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने ऑटो में जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग सड़क पर कुछ दूर जा गिरे।इस हादसे में मेहंदिया थाना क्षेत्र के रामपुर कोनी गांव निवासी कलावती देवी (पतिझ शुक्र यादव) और सोना देवी (पतिझ बाबूलाल यादव) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को ऑटो से बाहर निकाला और प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई।

हाजीपुर में बोले चिराग पासवान : कानून से ऊपर कोई नहीं, निर्दोष को डर नहीं, दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी। पटना

वैशाली जिले के हाजीपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि जिनके कर्म सही हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। देश की न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा रखना चाहिए। अगर किसी ने कोई गलत काम नहीं किया है, तो उसके साथ भी अन्याय नहीं होगा, लेकिन यदि किसी ने गुनाह किया है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।हाजीपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान चिराग पासवान ने पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी को न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना ठोस आधार और सबूत के किसी सांसद की गिरफ्तारी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों के पास निश्चित रूप से ऐसे तथ्य और प्रमाण होंगे, जिनके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के समय बनाए गए माहौल पर टिप्पणी करते हुए चिराग

पासवान ने कहा कि जिस तरह का भय का वातावरण बनाया गया, वह शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि संबंधित पक्ष को सहयोग करना चाहिए था। यह पूरी तरह से कानूनी प्रक्रिया है और हर किसी को देश की न्याय प्रणाली पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने दो टूक कहा कि बिना किसी आधार के किसी सांसद पर कार्रवाई नहीं होती। चिराग पासवान ने भरोसा दिलाया कि एनडीए सरकार में यदि कोई निर्दोष है तो उसे कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई तय है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि ह्यबदले की राजनीतिह्न करना विपक्ष की पुरानी आदत रही है, जबकि यह गिरफ्तारी केवल कानून के तहत की गई कार्रवाई है। उल्लेखनीय है कि 31 साल पुराने एक मामले में पटना पुलिस ने 6 फरवरी 2026 की देर रात पप्पू यादव को गिरफ्तार किया था।

बिहार का मौसम : गोपालगंज सबसे गर्म, सीवान सबसे ठंडा, कोहरे और ठंड का मिला-जुला असर

एजेंसी। पटना

बिहार में इन दिनों मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। कहीं हल्की गर्मी तो कहीं ठंड और कोहरे ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में दिन के तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन रात के समय ठंड अब भी बनी हुई है। सोमवार को गोपालगंज राज्य का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, सीवान जिले का जीरादेई क्षेत्र सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। इस तापमान अंतर के कारण लोगों को

सुबह और रात में ठिठुरन का सामना करना पड़ रहा है, जबकि दोपहर में हल्की गर्मी महसूस हो रही है। उत्तर बिहार के चंपारण, सीवान, गोपालगंज और आसपास के इलाकों में सुबह के समय कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। कई जगहों पर वाहन चालकों को धीमी गति से चलना पड़ा। ग्रामीण इलाकों में किसान भी सुबह के समय खेतों में जाने में देरी करते नजर आए। दक्षिण बिहार की बात करें तो वहां तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। पटना, गया, नवादा, और औरंगाबाद जैसे जिलों में दिन में तेज धूप निकल रही है, जिससे लोगों को राहत मिल रही है। हालांकि शाम होते ही ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट शुरू हो जाती है और ठंड का एहसास फिर लौट आता है। मौसम विभाग के अनुसार, पछुआ हवाओं के सक्रिय होने से आने वाले दिनों में रात के तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। खासकर उत्तर बिहार के जिलों में ठंड का असर और बढ़ सकता है। हालांकि दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं जताई गई है और धूप निकलने से दिन में मौसम सामान्य बना रहेगा। डॉक्टरों का कहना है कि इस बदलते मौसम में लोगों को अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सुबह-शाम ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े पहनें और सर्दी-जुकाम से बचाव के उपाय करें। बच्चों और बुजुर्गों को खास सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यह मौसम फसलों के लिए मिला-जुला साबित हो सकता है। जहां ठंड से गेहूं जैसी रबी फसलों को फायदा मिल सकता है, वहीं अत्यधिक कोहरा और नमी से सब्जियों और दलहन फसलों पर असर पड़ सकता है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम की जानकारी के अनुसार सिंचाई और फसल सुरक्षा के उपाय करें। कुल मिलाकर, बिहार में फिलहाल मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। दिन में हल्की गर्मी और रात में ठंड के इस दौर में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम विभाग की ओर से लगातार अपडेट जारी किए जा रहे हैं और लोगों से अपील की गई है कि वे ताजा मौसम पूवार्नुमान पर नजर बनाए रखें।

मुंगेर में रिश्तों का कत्ल : 13 वर्षीय छात्र की गला दबाकर हत्या

एजेंसी। पटना

बिहार के मुंगेर जिले में रिश्तों का कत्ल किये जाने का मामला सामने आया है। जहां एक नाबालिग छात्र की गला दबाकर हत्या कर दी गयी है। रिश्ते में दादा लगने वाले शख्स पर गला दबाकर नाबालिग की हत्या का आरोप लगा है। घटना का आरोपी मौके से फरार हो गया हैं। मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। वही इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना मुंगेर जिला अंतर्गत शामपुर थाना क्षेत्र के कुरवा गांव का है। जहां के रहने वाले लागों बिंद के 13 वर्षीय 8 वीं के क्लास के छात्र अमित कुमार की हत्या घर के बगल में रहने वाले और रिश्ते में दादा लगने वाले चंद्रदेव बिंद ने गला दबा कर कर दी। हत्या के बाद शव को छत पर कंबल से ओढ़ा कर छोड़ दिया। परिजनों के अनुसार पड़ोस में रहने वाले और रिश्ते में मृतक के चाचा लगने वाले चंद्र देव बिंद से कुछ दिन पहले ही मारपीट हुई थी। घर में शादी समारोह में किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। तभी चंद्र देव ने धमकी दिया था कि उसके घर का वंश आगे नहीं बढ़ने देगा। आज उसने नाबालिक बच्चे की गला दबा कर हत्या कर दी ।